

व्यक्तियों की संख्या की संख्या

- १४२ ५ रुपये से २०० रुपये तक जुमाने के साथ न्यायालय उठने से नौ मास तक विभिन्न अवधि की जेल ।
- १४ एक मास तक की कड़ी जेल ।
- ११ एक मास से छः मास तक की कड़ी जेल ।
- १ प्रबोधन
- = अच्छे व्यवहार के लिए प्रमाणपत्र लिये गये ।

३ खनिज उत्पादन

२४२४. श्री युवराज बल सिंह : क्या खान और ईंधन मंत्रो यह बताने को कृपा करेंगे कि :

(क) क्या भारत सरकार देश के खनिज उत्पादन को बढ़ाने के लिए अनेक देशों से टेकनिकल सहायता लेने का प्रयत्न कर रही है;

(ख) यदि हां, तो किन देशों ने इस योजना में सहयोग देने का वचन दिया है; और

(ग) इस योजना का पूरा व्यौर क्या है ?

खान और ईंधन मन्त्री (श्री केशव देव पासवोय) : (क) जी, हां ।

(ख) इंग्लिस्तान, फ्रांस, अमेरिका, पश्चिमी जर्मनी, रूस और पोलैण्ड ।

(ग) इन स्कीमों में तकनीकी सहायता अर्थात् निम्नलिखित क्षेत्रों में परामर्श सम्बन्धी से गए, तकनीकी व्यक्तियों की से गए, भारतीय व्यक्तियों के लिए प्रशिक्षण को सुविधाओं, परियोजना रिपोर्ट और कार्रकारी आलेखों

को तैयार करना और प्लांट एवं उपकरणों आदि की सप्लाय की व्यवस्था की गई है :—

- (१) नई कोयला खानों, बर्कशाप और घावनशालाओं की स्थापना ।
- (२) कोयला खानों के गहरे कपकों का विकास ।
- (३) प्रपातो शुद्ध हुए कोयला-स्तरो का विकास ।
- (४) प्रपातो शुद्ध हुए मॉटे-स्तरो को गिराने (depillaring steeply inclined thick seams) को प्रतिधि का प्रशिक्षण ।
- (५) मद्रास राज्य में नयवैली में लिगनाइट निक्षेपों का विकास एवं समुपयोजन ।

३ Gujarat Oil Workers Union

2425. Shri Yajnik: Will the Minister of Mines and Fuel be pleased to state:

(a) whether any Union of the workers of the Oil and Gas fields in Gujarat has been organised and recognized by Government;

(b) the demands submitted by the Union to Government and those which have been fully or partially met;

(c) whether any representative of the Union has been recommended by Government to any foreign Agency for making a study tour of USA with a view to studying the petro-chemical problems; and

(d) the amount of help that Government are giving for this study tour by way of providing foreign exchange and other facilities?

The Minister of Mines and Fuel (Shri K. D. Malaviya): (a) Two Unions have been organised by the employees of Oil and Natural Gas